2.4.7 शास्त्र-चूड़ामणि/राष्ट्रस्तरीय आचार्य सहायक संकाय/अध्येता/विजिटिंग प्रोफेसर/पोस्ट डॉक्टरल अध्येतृ आदीनां विभिन्न शिक्षावित्सु गतिविधीनां नवाचारे विशेषज्ञतायां च संकायस्य योगदानम्।

Contribution of faculty to innovation of activities and Specialisation in various academics of Shastra-Chudamani/ Emeritus/ Adjunct Faculty/Fellows/ Visiting Professors/Post Doctoral Fellows etc,.

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः विश्वविख्यातानां विविधशास्त्रविचक्षणानां शास्त्रचूडामणिविदुषां, राष्ट्रस्तरीयाचार्याणाम्, अतिथ्याचार्याणाम्, संयोजिताचार्याणाम्, प्रतिष्ठिताचार्याणाम्, विद्यावारिध्युत्तरशोधरतानां विदुषां च सम्बन्धं स्थापयति। अस्मिन् विश्वविद्यालये प्रत्यक्षसमागतानाम् अन्तर्जालमाध्यमेन सम्बद्धानां महनीय विदुषाम् अभिधानानि क्रमेण प्रदर्श्यन्ते।

* स्वामी राघवाचार्य जी महाराज, अयोध्या।

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयद्वारा २००० तमे आयोजितायां वेदान्तपरीक्षायां सर्वप्रथम स्थानं प्राप्य स्वर्णपदकमधिकृतम्। सम्प्राप्तं स्वकीयोपदेशमाध्यमेन मानवमात्रस्य कल्याणे सततं संलग्नाः सन्ति।

* जगद्गुरु स्वामी वासुदेवाचार्य विद्याभास्कर जी महाराज, अयोध्या।

विद्याभास्कर विद्याभास्करस्य उपाधिना विभूषिताः जगद्गुरवः रामानुजाचार्याः स्वामिनः श्रीवासुदेवाचार्याः अपि समाजे निरन्तरमेव निजसंस्कृतिं संस्कारान् च प्रसारयन्ति। इमे श्रीरामजन्मभूमेः उच्चमार्गदर्शकमण्डलस्य वरिष्ठाः पदाधिकारिणोऽपि सन्ति।

* स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती, जगद्गुरु शंकराचार्य, ज्योतिर्मठ, उत्तराखण्ड।

स्वामी स्वरूपानन्द सरस्वतीनां शिष्याः स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती महाभागाः सम्प्रति उत्तराखण्डे विद्यमानस्य ज्योतिर्मठस्य षट्चत्वारिंशत्तमाः वर्तमानकालिकाः जगद्गुरवः शंकराचार्याः वर्त्तन्ते।

* पद्मश्री, पद्मभूषण प्रो० देवीप्रसाद द्विवेदी, सं.सं.वि.वि., वाराणसी।

* प्रो० राजाराम शुक्लः, कुलपतिचरः, सं.सं.वि.वि. वाराणसी।

निदेशकः, मालवीय भवन, का.हि.वि.वि., वाराणसी।

* प्रो. हरेराम त्रिपाठी, कुलपतिचरः, सं.सं.वि.वि., वाराणसी।

वर्तमाने कुलपतयः कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालयः, रामटेक, नागपुर, महाराष्ट्र।

* प्रो० नागेन्द्र पाण्डेयः, अध्यक्षचरः, उ.प्र.सं.सं., लखनऊ।

आचार्यचरः, सं.वि.वि.वि., वाराणसी।

अध्यक्षः- श्रीकाशी-विश्वनाथमन्दिरन्यास, वाराणसी।

* राष्ट्रपति पुरस्कृत प्रो० रमेशप्रसाद, आचार्यः, पालि एवं बौद्ध विभाग, सं.सं.वि.वि., वाराणसी।

* प्रो. रजनीश शुक्लः, कुलपतिचरः, महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालयः, वर्धा, महाराष्ट्र।

* प्रो. प्रेमनारायण सिंह, निदेशक, आई.यू.सी.टी.ई, का.हि.वि.वि., वाराणसी।

* पद्मभूषण प्रो. वशिष्ठ त्रिपाठी, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी।

* पद्मश्री प्रो. रामयत्न शुक्ल, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी।

* पद्मश्री पं. शिवनाथ मित्र, प्रसिद्ध सितारवादकः, वाराणसी।

* पद्मश्री अभिराज राजेन्द्रमिश्रः, भूतपूर्व कुलपति, सं.सं.वि.वि., वाराणसी।

* राष्ट्रपति सम्मानित प्रो. ब्रजभूषण ओझा, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

* प्रो. गंगाधर पण्डा, शिक्षाशास्त्रज्ञ, (कोह्लणविश्वविद्यालय, चाईवासा, झारखण्ड)।

* प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज।

* प्रो. पुरुषोत्तम पाठकः, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी।

* प्रो. प्रमोद कुमार शर्मा, आचार्यः, ज.ने.वि., नवदेहली।

एते आचार्याः महान्तः कवयः सन्ति। एतैः विरचितायाः कृतेः 'गोपाङ्गनावैभवम्' इत्यस्य कृते राजस्थान संस्कृत अकादम्या विशेषेण एते सभाजिताः।

* डॉ. राजा पाठकः, सहायकाचार्यः, आई.यू.सी.टी.ई, का.हि.वि.वि., वाराणसी।

एतान् विश्वविद्यालयस्य संकायस्य सम्माननीयान् आचार्यान् अतिरिच्य ये अन्ये प्रसिद्धाः देशस्य विद्वांसः सन्ति, येषां सान्निध्यं यथावसरं विश्वविद्यालयाय लभ्यते, तेषां अभिधानानि अपि अत्र लिख्यन्ते।

* प्रो. श्रीनिवासवरखेड़ी, कुलपति, के०स०वि०, नवदेहली।
* श्री चमूकृष्ण शास्त्री, संस्कृत भारती, नवदेहली।
* स्वामी जीतेन्द्रानन्द सरस्वती, राष्ट्रीयमहामंत्री, अखिलभारतीय सन्तसमितिः।
* पूज्य भाई श्री रमेशभाई ओझा, गुजरात।
* योगगुरु स्वामी रामदेव जी महाराज, महर्षि पतञ्जलि योगपीठ, हरिद्वार।
* प्रो. वाचस्पतिमिश्रः, अध्यक्षः, उत्तरप्रदेशसंस्कृतसंस्थानम्, लखनऊ।
* प्रो. सी.जी. मेनन, कुलपति, महर्षिपाणिनिसंस्कृत एवं वैदिकविश्वविद्यालयः, उज्जैन।
* प्रो. सन्तोष कुमार शुक्ल, संकायाध्यक्षः, संस्कृत संकाय, जे.एन.यू., नवदेहली।
* प्रो. ओमनाथ बिमली, संकायाध्यक्षः, संस्कृत संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालयः, देहली।
* प्रो. बृहस्पतिमिश्रः, संकायाध्यक्षः, संस्कृत संकाय, हि०के० वि०वि०, धर्मशाला।
* प्रो. चान्दकिरण सलूजा, संस्कृतसंवर्धनप्रतिष्ठानम्, नवदेहली।
* प्रो. रमेश कुमार पाठक, साहित्यवित्, सङ्कायाध्यक्षः, एल.बी.एस., राष्ट्रिसंस्कृतविश्वविद्यालयः, देहली।
* डॉ. ऋषभ चन्द्र जैन, अहिंसा अनुसंधान केन्द्रम्, वैशाली।
* प्रो. ललित पटेल, कुलपति, सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालयः, गुजरात।
* प्रो. गिरीश चन्द्र दूबे, राम भद्राचार्य विश्वविद्यालय।
* डॉ. नीलेश पाण्डेयः, सहायक निदेशकः, नैक।
* प्रो. एस.सी. शर्मा, निदेशकः, नैक।
* प्रो. गोपबन्धु मिश्रः, काशीहिन्दूविश्वविद्यालयः, वाराणसी।
* प्रो. मुरलीमनोहर पाठक, कुलपति, ला०ब०शा०, के०सं०वि०, नवदेहली।
* प्रो. चैदूडी उपेन्द्र राव, आचार्य, ज०ने०वि०, नवदेहली।

विश्वविद्यालय के ४१ वें दीक्षांतमहोत्सव में प्रबोधन करती हुईं **माननीया कुलाधिपति महोदया** एवं उपस्थित मा० कुलपति जी, मुख्य अतिथि प्रो० श्रीनिवासवरखेड़ी जी, विशिष्टातिथि उच्च शिक्षामंत्री श्री योगेन्द्र उपाध्याय जी एवं अन्य। दिनांक २५.११.२०२३

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित धार्मिक कथाप्रवचन कार्यक्रम में दीपप्रज्वलन करते **हुए पूज्य स्वामी श्री राघवाचार्य जी महाराज, पूज्य स्वामी विद्याभास्कर जी महाराज, मा० कुलपति जी एवं अन्य। दिनांक ०४.०४.२०२१**

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित धार्मिक कथाप्रवचन कार्यक्रम में दीपप्रज्वलन करते **हुए पूज्य स्वामी श्री विद्याभास्कर जी महाराज, पूज्य स्वामी राघवाचार्य जी महाराज, मा० कुलपति जी एवं अन्य। दिनांक ०४.०४.२०२१**

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'चिन्तन विमर्श' कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए **पूज्य स्वामी श्री जितेन्द्रानन्द सरस्वती जी महाराज, प्रो० हरिप्रसाद अधिकारी जी तथा उपस्थित गणमान्य एवं अन्य छात्र एवं छात्राएं ।**

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

समस्त समस्याओं का समाधान गीता में ही

संस्कृत विवि में समन्वय मंच एवं तुलनात्मक धर्म–दर्शन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चिंतन विमर्श में बोलते डा. हरि प्रसाद अधिकारी व मुख्य ग्रंथी नीचीबाग धर्मवीर, स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती व स्वामी संवित सुबोध गिरी (बाएं से बैठे) ● जागरण

- 'वर्तमान चारित्रिक संकट के निरसन में गीता का मार्गदर्शन' पर व्याख्यान
- श्रीमद्भगवद्गीता अमृतरूपी ग्रंथ अध्ययन की जरूरत : सुबोध गिरी

जासं, वाराणसी : बीकानेर संन्यास आश्रम राजस्थान के संवित सुबोध गिरी महाराज ने कहा कि आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम पतन के रास्ते चल पर चल पड़े हैं। मानव में चारित्रिक दोष भी बढ़ता जा रहा है। इन समस्याओं का समाधान श्रीमद्भगवद्गीता में समाहित है। वर्तमान में श्रीमद्भगवद्गीताअमृत ग्रंथ के रूप में विद्यमान है। ऐसे में गीता का अध्ययन-अध्यापन करना चाहिए।

वह बुधवार को संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित 'वर्तमान चारित्रिक संकट के निरसन में गीता का मार्ग दर्शन' विषयक व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। तुलनात्मक धर्म दर्शन विभाग व प्रबोध समन्वयक मंच, काशी प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित व्याख्यान में उन्होंने कहा कि गीता व रामायण के बदौलत ही भारतीय संस्कृति व परंपराएं जीवित हैं। मुख्य अतिथि संत संपर्क प्रमुख अशोक तिवारी ने कहा कि ज्ञान का व्यवहार में उपयोग बेहद जरूरी है। ऐसे में हम जो भी अध्ययन करते हैं। उसे जीवन में उतारने की जरूरत है। ज्ञानेंद्र आनंद स्वामी ने कहा कि संस्कृत छात्र कभी भी बेरोजगार नहीं रहता। अध्यक्षता प्रो. सुधाकर मिश्र, संचालन विभागाध्यक्ष प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी व धन्यवाद ज्ञापन प्रो. राघवेंद्र जी दुबे ने किया। मुख्य रूप से डा. सुनील उपाध्याय, प्रो. कमलाकांत त्रिपाठी सहित अन्य थे।

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'चिन्तन विमर्श' कार्यक्रम की समाचार प्रति

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ज्ञानचर्चा कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए **पूज्य श्री रमेशभाई ओझा जी।**

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय में योगगुरु पूज्य श्री रामदेव जी महाराज का आगमन एवं उद्‌बोधन।

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त आचार्य **पद्मभूषण प्रो० वशिष्ठ त्रिपाठी** जी को पद्मभूषण सम्मान मिलने के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सम्मान कार्यक्रम।

विश्वविद्यालय में आचार्यो के साथ विचार विमर्श करते हुए विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त आचार्य **पद्मश्री प्रो० रामयत्न शुक्ल जी। दिनांक १२.१०.२०२३**

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय में आयोजित सम्मान कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त आचार्य **पद्मश्री श्री शिवनाथ मिश्र जी** को सम्मानपत्र भेंट करते हुए मा० कुलपति जी एवं अन्य।

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संस्कृत कवि सम्मेलन में समागत कविराज विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति **पद्मश्री प्रो० अभिराजराजेन्द्र मिश्र जी, मा० कुलपति जी एवं अन्य गणमान्य कविजन।**

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय शोधकार्यशाला में दीपप्रज्वलन करते हु**ए पद्मश्री प्रो० चमूकृष्ण शास्त्री जी**, मा० कुलपति जी एवं अन्य गणमान्यजन ।

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी कार्यक्रम में द्वीप प्रज्वलन करते हुए मा० कुलपति जी, **राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित प्रो० ब्रजभूष्ण ओझा** जी एवं अन्य गणमान्य।

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित नई राष्ट्रीय शिक्षानीति कार्यक्रम में मा० कुलपति जी को भगवान बुद्ध का चित्रपट्ट समर्पित करते हुए केद्रीय तिब्बती अध्ययन विश्वविद्यालय, सारनाथ के कुलपति प्रो० नवांग सामतेन जी एवं उपस्थित महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के कुलपति प्रो० सी० जी० मेनन एवं श्री विश्वनाथ मन्दिर ट्रस्ट, वाराणसी के अध्यक्ष प्रो० नागेन्द्र पाण्डेय एवं अन्य गणमान्य।

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संस्कृत भाषा कौशल विषयक त्रिदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के संस्कृत एवं प्राच्यविद्या अध्ययन संस्थान के संकायाध्यक्ष प्रो० सन्तोष कुमार शुक्ल जी एवं अन्य विद्वज्जन । दिनांक १६.०३.२०२३

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय में स्थित सरस्वती भवन पुस्तकालय में रखी दुर्लभ पाण्डुलिपियों का अवलोकन करने आये दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० **ओमनाथ विमली जी, प्रो० भारतेन्दु पाण्डेय जी एवं अन्य आचार्यगण ।** दिनांक ०८.१२.२०२३

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi

विश्वविद्यालय में आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला के संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० बृहस्पति मिश्र जी एवं उपस्थित अन्य आचार्य तथा छात्रगण। दिनांक ०६.०५.२०२३

Registrar
Sampurnanand Sanskrit University
Varanasi